



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—पार्ट 3—उप-पार्ट (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 215]

नई दिल्ली, बृहदार, जून 6, 1990/ज्येष्ठ 16, 1912

No. 215] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 6, 1990/JYAISTHA 16, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

श्रम मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 1990

श्रम मंत्र नि. 550 (अ)---कोर्ट अनु विनियम, 1957 का श्रीर
संशोधन करने के लिए कुछ विनियमों का, एक प्रारूप बान अधिनियम,
1952 (1952 का 35) की वारा 59 की उपचारा (1) के अधीन
भारत गवर्नर के थम मंत्रालय की अधिसूचना में, वारा 32, शारीर
23, जून, 1988 और का. अ. में 287 (अ), नारीव 15 जुलाई, 1988
के अधीन, भारत के नायपत्र अधिनायरण, भाग 2 खंड 3 उपखंड (i),
तारीख 23 जून, 1988 नाया भरन के नायपत्र, अदायरण भाग 2,
खंड 3(i), शारीर 15 जुलाई, 1988 में प्रकाशित लिया गया था,
जिसमें उक्त विनियमों से उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीव
में तीन मास की अवधि के अध्यान तक अक्षेप और गुणात्मक माने गए
थे, जिनके उक्ते प्रभावित होने की मंशावना थी।

और उक्त राजपत्र नारीव 1 अगस्त, 1988 और 23 अगस्त, 1988
को जलना को उपलब्ध करा लिया गया था।

और केंद्रीय सरकार ने अपने प्राप्त के मंवध में उक्त से प्राप्त
आधियों और सूचाओं पर विचार बर लिया है।

यदि केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की वारा 57 वारा प्रदत्त
विनियमों का प्रयोग करने हें तो उक्त अधिनियम की वारा 59 की उपचार
(4) की अधिसूचना उक्त प्रारूप को उक्त अधिनियम के अधीन गठित
ममिति को निर्देशित करने आंग उसे, उक्त विनियमों की जलने की
समीक्षीता आंग उपयुक्त पर लियोंट करने का सुविधानकृत प्रबन्ध देने
के पक्षात् कोयला बान विनियम, 1957 का श्रीर संशोधन करने के लिए
निम्नलिखित विनियम जलनी है अधीन।--

(1) उक्त विनियमों का मंदिर नाम कोयला बान संशोधन विनियम, 1989 है।

(2) ये गोपनीय में प्रकाशन की नारीव को प्रवृत्त होंगी।

2. कोयला बान विनियम, 1957 (जिन्हें इसमें इसके पक्षात् उक्त
विनियम कहा गया है) के विनियम 2 के खंड (34) के पक्षात् निम्न-
लिखित खंड अंतः स्थापित किया जायगा, अधीन।--

"(34-क) खूदर्ड में ऐसा उत्तरान अभिप्रेत है जो किसी
बान में कोयले का पान लगने या कोयला अभिप्राप्त करने के लिए
किया जाता है या किया जा रहा है।"

3. उक्त विनियमों के विनियम 11 के उपविनियम (10) के
पक्षात् निम्नलिखित परम्परा अंतः स्थापित किया जायगा, अधीन।--

"एकल्नु यदि किसी वैठक में यथापूर्वोक्त गणपूर्ण नहीं है तो
वैठक स्वतः ही मात्र रित पक्षात् की नारीव को या यदि उम्र तिन-

सर्वेजमिक छह्री है तो अगले एवं शिविर के लिए स्थानिक और अधिकारी और स्थानिक वैठक के लिए समय, स्थान और कार्यसूची अप्रतिविवित रहेंगे। ऐसी वैठक में इस बात को विचार में लाये जिनकि उनमें किन्तु सदस्य हाजिर हैं, काम का विटार विभिन्न होगा।"

4. उक्त विनियमों के विनियम 15 में—

(1) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

(2) प्रबन्धक, सर्वेक्षक, औदरमैन या सरकार के प्रमाणपत्र हेतु किसी परीक्षा के लिए किसी डाकिन को नया तक प्रवेश नहीं किया जायेगा। जब तक कि उक्ते किसी पान्ती प्राप्त बोर्ड की माध्यमिक विद्यालय परीक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उसीरे न करने वाले, और इंजन चालक या विस्फोटकर्ता के प्रमाणपत्र हेतु जब तक वह बोर्ड का यह समाधान न कर दें कि वह पढ़ा लिया है।

परन्तु इन उपविनियम की किसी बात से यह रहीं समझा जाएगा कि उपविनियम के उपबंधों का समाधान न यहाँ पर 1 जनवरी, 1992 को या उससे पूर्व उक्त के प्रमाणपत्र के लिए किसी परीक्षा में शैठने से वह अकिञ्चित जिमजिन हो गया है यदि वह पढ़ते ही उक्त प्रमाणपत्र के लिए किसी परीक्षा में प्रवेश पा चुका था।

(2) उपविनियम (2) का लोप किया जाएगा।

5. उक्त विनियमों के विनियम 20 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"20. प्रमाणपत्र देने के लिए फीस—(1) प्रमाणपत्र देने के लिए प्रत्येक शास्त्रीय की बाबत फीस निम्नलिखित मात्रा के अनुसार या जाएगी—

| | |
|--|---------|
| (क) प्रथम बार प्रबन्धक के प्रमाणपत्र की दशा में | 100 रु. |
| (ख) द्वितीय बार प्रबन्धक के प्रमाणपत्र की दशा में | 75 रु. |
| (ग) सर्वेक्षक के प्रमाणपत्र की दशा में | 50 रु. |
| (घ) औदरमैन के प्रमाणपत्र की दशा में | 50 रु. |
| (इ) संस्कार के प्रमाणपत्र की दशा में | 30 रु. |
| (च) प्रथम बार इंजन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में | 30 रु. |
| (छ) द्वितीय बार इंजन चालक के प्रमाणपत्र की दशा में | 25 रु. |
| (ज) विस्फोटकर्ता के प्रमाणपत्र की दशा में | 25 रु. |
| (झ) गैस परीक्षण प्रमाणपत्र की दशा में | 25 रु. |
| (ट) लैप्टॉप के प्रमाणपत्र की दशा में | 25 रु. |

(2) विनियम 20 के जब अस्तरीय की मूल्य प्रमाणपत्र देने के लिए परीक्षा में पूर्व ही रही है, यथापूर्वीकृत संदर्भ फीस वा प्रतिवेदन नहीं किया जाएगा।

6. विनियम 23 में, "अनुबंधित" शब्द के स्थान पर "विहित" शब्द रखा जाएगा।

7. उक्त विनियमों के विनियम 25 का लोप किया जाएगा।

8. उक्त विनियमों के विनियम 26 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

"26 प्रबन्धक, सर्वेक्षक, औदरमैन, संस्कार, इंजन चालक, विस्फोटकर्ता या ऐसे परीक्षण के प्रमाणपत्र का नियमन या रद्द करणे।

(1) यदि प्रावेशिक निरीक्षक की यह गति हो कि प्रबन्धक, सर्वेक्षक औदरमैन, संस्कार, इंजन चालक, विस्फोटकर्ता या ऐसे परीक्षण के प्रमाणपत्र या धारक अक्षम हैं या अधिनियम अथवा इन विनियमों के अधीन इनमें किसीको के विषयक या उक्त विनियमों की उपेक्षा या उनमें कदाचित का दोषी है तो वह उस मामले को बोर्ड की आनंदस्थीति में लाएगा। बोर्ड यह अवधारित करने के लिए कि ऐसा अविक्त (ऐसे इस

इनके प्रबन्धक अपकारी कहा गया है) ऐसा प्रमाणपत्र प्रारंभ किया रखने के लिए योग्य है या नहीं जांच करने के लिए उम्मीदिक्षक को, जो ऐसे निरीक्षक की विकिनि या नियमों की नहीं है जिसकी रिपोर्ट पर उक्त राय अधिकारित थी, लिखित रूप में प्राप्तिकृत करेगा। जांच प्रारंभ होने से पूर्व बोर्ड अपकारी को उम्मीदिक्षक को विवरण देगा जिसके संबंध में जांच चंस्थित की गई है।

(2) ऐसी जांच के दौरान जांच करने के लिए प्राप्तिकृत निरीक्षक को सभी सुनिश्चित दस्तावेज दिए जाएंगे और वह निम्नलिखित को अभिलिखित करेगा :

- (क) ऐसे साक्षी का मालिक जो उक्त राय का अधार है;
- (ख) ऐसा कोई साक्षय जो अपकारी देना चाहे;
- (ग) किसी साक्षी का ऐसा साथ्य जो अपकारी प्रस्तुत करता चाहे;
- (घ) जांच के प्रबन्धक का मालिक और;
- (ङ) कोई अन्य साक्षय को जांच करने वाले निरीक्षक द्वारा आवश्यक या सुनिश्चित समझा जाएँ।

जब तक कि अपकारी परियोग सूचना के बावजूद उपस्थित होने में अपकारी ना रहे, पूर्वोत्तम साक्षय अपकारी को उपस्थिति में अभिलिखित किया जाएगा और उसे साक्षी (उसके द्वारा प्रस्तुत किए गए संक्षिप्तों से चिन्ह) की प्रतिपरीक्षा करने के लिए युक्तियुक्त अवसर दिया जाएगा। जांच करने वाला निरीक्षक भी अपकारी और संक्षिप्तों की प्रतिरक्षा कर रहे गए।

(3) जांच करने वाला निरीक्षक अपनी जांच समाप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर, बोर्ड की अपेक्षाओं, जांच के दौरान अभिलिखित साक्षय के लियों से और यदि सुनिश्चित सहित अपनी रिपोर्ट देंगे।

(4) संक्षय संवंधी टिप्पणी और जांच करने वाले निरीक्षक के निष्कार्य की प्रतियोगी अपकारी को भी ऐसी जाएगी जो उन प्रतिवेदों को प्रेषण की तारीख के तीस दिन के भीतर बोर्ड को अपनी लिखित अस्पष्टवेदन प्रस्तुत कर सकेगा।

(5) बोर्ड संक्षय और अस्पष्टवेदनों द्वारा अपकारी हाराये प्रस्तुत किए गए अनिवार्य अस्पष्टवेदन, यदि कोई नहीं, या विवार करने के पश्चात या तो मामले में और जांच करनामूलक और नव या अस्पष्ट अपकारी को उसके विरुद्ध आनेवाले से मुक्त करेगा या प्रमाणपत्र को, जैसा वह ठीक समझे, निम्नलिखित या रह देगा।

(6) इन विनियम के अधीन बोर्ड के विरुद्ध अपील आवेदन के 30 दिन के भीतर केन्द्रीय समाचार को की जा सकेगी।

(7) जहाँ इन विनियम के अधीन प्रमाणपत्र निर्वित या रहे किया जाता है वहाँ उस प्रमाणपत्र पर या विनियम 23 के अधीन जारी की गई उसकी प्रति पर उपयुक्त पूर्णांकन किया जाएगा।

9. उक्त विनियमों के विनियम 31 में, उपविनियम (2) के दूसरे परामुख और "दि विनियम 149 वा" शब्दों और उपविनियम (3) में दूसरे हैं, का लोप किया जाएगा।

10. उक्त विनियमों के विनियम 32 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंक स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

"32-क. संकातन अधिकारी की अहेन्दग और दिमुक्त—हर जांच में जहाँ पहली दियो का ऐसीय संस्कर हो, जिसमें औसत उत्पादन 5000 टन से अधिक है या दूसरी अस्था तीकरी दियो पर शील 1 उत्पादन 2500 टन से अधिक है वहाँ जांच के पर्यवेक्षण कार्य में संबालन प्राप्ती के अनुरक्षण में प्रबन्धक की सहायता इन विनियमों के उपबंधों के अनुमार विनियोग

संबंधित अधिकारी द्वारा की जाएगी। यह ऐसा अधिकृत होगा जो निम्न-सिद्धित अद्वैतात्मक रूप से है।

(a) किसी ऐसो खान की बात में किसे पहली डिग्री का गैरीब संस्कार है औ जिसका औसत उत्पादन 15,000 टन से अधिक है या किसी ऐसी खान की दशा में जिसमें दूसरी या तीसरी डिग्री का गैरीब संस्कार है और जिसका औसत उत्पादन 10,000 टन से अधिक है, प्रबन्धक का प्रमाणपत्र और

(b) प्रत्येक अध्य मासने में, जिसी प्रबन्धक का प्रमाणपत्र या विनियम 16 के उपविनियम (1) के परन्तु या के प्रयोग के लिए अनुमति द्वारा या यहां इंजीनियरों में कोई डिग्री, डिप्लोमा या ग्राहणपत्र;

परन्तु अहों लिखें शर्ते विद्यनान हैं, तब्दी ग्राहणित निरीक्षक, निखिल द्वारा और उन शर्तों के अधीन जो वह उसमें विनियित करें, इन उत्तराधिकारों के फेरकार में जिसी संबंधित अधिकारी को निमुक्ति को अनुहान या अपेक्षा कर सकता या संबंधित अधिकारी की महादत के लिए उसने अधिकारों को नियुक्ति अरेता कर सकेगा जिसने ग्राहण में विनियित किए जाएँ।

परन्तु यह और कि किसी ऐसी खान की बात में जिसमें पहली डिग्री का कोई गैरीब संस्कार है और जिसका औसत उत्पादन 15,000 टन से कम है, प्रावेशित निरीक्षक उसमें दूसरी को प्रहृति और विश्वार परिवाचार करते हुए लिखें ग्राहण द्वारा और उन शर्तों के अधीन जो वह उसमें विनियित करे विनियम 31 के अधीन विपुल संबंधित अधिकारी के पद को सुरक्षा अधिकारों के पद के साथ मिजाने के लिए अनुशास्त कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस विनियम के प्रयोगने के लिए, “आंसूत उत्पादन” से पूर्ववर्ती क्षेत्र के दोस्रा सभी संस्करणों का भूमि के नीचे सकिया से भूल उत्पादन का प्रतिमात्र औसत अधिकृत है। जहां खान में विनियम डिग्रियों के नीचे वाले संस्करण हों वहां पूर्ववर्ती उत्पादन औसत गैरीबता की उच्चतम डिग्री के संस्करण या संस्करण से समझा जाएगा।

11. उक्त विनियमों के विनियम 34 के उपविनियम (1) के पश्चात निम्ननियित उपविनियम अंतर्स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

(1) उपविनियम (1) के अधीन किसी और संस्करण को सौंपा गया जिला विभाग का नहीं होगा और न ही इन विनियमों के अधीन उसके कर्तव्यों से विस कोई अतिरिक्त कर्तव्य ऐसा होगा। जिसमें इन विनियमों के अधीन उनका विहित कर्तव्यों के टीक ढंग प्रतिवेदन में रक्काशट संबंध हो और यदि पूर्वाग्रही कर्तव्यों के संबंध में संदेह उत्पन्न होता है तो उसे मुक्त निरीक्षक को विनियम के लिए निर्देशित किया जाएगा।

12. उक्त विनियमों के विनियम 41 के उपविनियम (8) में अस्तित्व के स्थान पर निम्ननियित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“ऐसी प्रत्येक खान का परीक्षण और उसके छण्ड और अहों संबंध हो, द्रुटना स्थल का या के फोटो, जिसमें ज्ञारे वर्णित हों, इस प्रयोगनाथ रखी गई पृष्ठ संज्ञाकित और जिसवर्त्त तुरंत में अनिवार्य किए जाएंगे और उसकी एक प्रति, द्रुटना के प्रनद्ध वित के भूतर सूच्य निरीक्षक और प्रावेशिक निरीक्षक को देंगे जाएंगे।”

13. उक्त विनियमों के विनियम 42 के उपविनियम (2) में “यदि” शब्द के स्थान पर “किसी आपूर्तात्म में ही विद्या, उपर विनियित कर्तव्यों के विस कोई कर्तव्य सुरक्षा अधिकारी को नहीं नौजी जाएँगे और जहां नहीं जन्म रखे जाएँगे।

14. उक्त विनियमों के विनियम 43-के उपविनियम (2) में, “यदि” शब्द के स्थान पर “किसी आपूर्तात्म में विद्या उपर विनियित कर्तव्यों के विस कर्तव्य संबंध अधिकारी को नहीं सौंपे जाएंगे कहीं भव्य रखे जाएंगे।

15. उक्त विनियमों के विनियम 100 में—

(i) उपविनियम (1) में “मुद्रा निरीक्षण” शब्दों के स्थान पर “राजेश्वर निरीक्षक” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) उपविनियम (4) का नोंच किया जाएगा।

(iii) उपविनियम (5) में “उक्त या का प्रवासनक कम से कम लेव जो उत्तर से अन नहीं हो” शब्दों के पश्चात् “किसी बायु विलोक्त या अंते पर भार आजने से उत्तर से अन्धकार के स्थान से शुरू” शब्द अन्तर्स्थापित किए जाएंगे।

16. उक्त विनियमों के विनियम 103-के—

(क) उपविनियम (1) में विद्यान वरेक के पश्चात निम्न-विनियम अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि रक्षितरों में की गई किसी प्रविधि या उसमें किसी प्रविधि के न किए जाने से नया पूर्वाग्रह परन्तु के अनुभाग से संबूद्धता दिए जाने या न दिए जाने से अधिनियम या विनियम, नियम उपविनियमों या उसमें अधीन किए गए प्रावेशिकों के किसी विवर के कार्य और वायराजाएं किसी प्रकार सीमित नहीं होंगी।”

(अ) उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

(2) एक रजिस्टर में कोई प्रविधि को जाती होतो :—

(क) एक प्रवेश दस्ता, आपूर्ता और प्रवासन को यह जन-कारों होना समझा जाएगा कि उस प्रविधि में इस अंतर्विधि है; और

(ब) उनको एक प्रति ऐसी प्रविधि के तीन दिन के भोजन खान के जूबन पट्ट पर पन्द्रह दिन में पन्नूर यवत्त्र के लिए अंतर्विधि को जाएगी।”

(ग) उपविनियम (3) के रजस्टर विनियित उपविनियम अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(4) रजिस्टर—

(क) खान कायरियर में अंतिम विनियित नियंत्रण के पश्चात् कम से कम तीन क्षेत्रों विवरित हो तियंत्र निरीक्षण के के लिए उत्तरांचल राज्य और

(ख) प्रावेशिक निरोधाल दाय या उत्तरी नियित मजूरी के सिवाय पूर्वाग्रह विवरित की जायेगी ये पर्यंत हटाया नहीं जाएगा।”

17. उक्त विनियमों के विनियम 103 में :—

(i) उपविनियम (1) के तत्त्व (क) के रजस्टर निम्ननियित अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(ख) पाश्चय के 10 मीटर के भोजन दस्ता के संबंध खुट्टाई और सड़क मार्ग का प्रतीक जंगल फिली विकास पाश्चय के नुरंद बाहर होगी।

(ii) उपविनियम (2) और उपविनियम (3) के स्थान पर निम्ननियित उपविनियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(2) प्रयोग ऐसा बात जिसमें भूमि के नीचे खड़ा हो रही है का प्रबंधक उपचिनियम (1) से विनिष्टिप्रक्रिया के प्रारम्भ से पूर्व और तब भी जब प्रारंभिक निरिक्षक द्वारा प्रमेयित हो, मत्र के भौतिक वित्तिक गुण स्थानीय भूमिकात्मक वसाओं, कार्य और वंशीकरण की प्रणाली और पूर्व अनुभव का सम्बूद्ध रूप से द्यान रखते हुए विकल्प बरेगा और ऐसे व्यवस्थित आलंबनियमों का प्रत्यक्ष दर्शेगा। जिनमें खड़ा हो के प्रस्तुत स्थान के संबंध में अल्प के प्रकार के और विनिर्देश तथा उनके शीन अंतराल विनिष्टिप्रक्रिया की दृष्टि द्वारा हो।

- (i) महक पथों पर, जिनके अवर्गन में स्थान भी बहुत मशीनरी का उपयोग कराई संवहन या नदाई के लिए किया जाता है, आलंब :—
- (ii) प्राप्ति (छायादार) की गतिक परिम छत बोल्ट गा ग्रन्य आलंब ।
- (iii) प्राप्ति का प्रशंस्य परिवर्तया, छत बोल्ट या अस्थ आलंब ।
- (iv) आलंबों की अंतिम परिम और आभूत्य,
- (v) द्रव्यवानित में और शिशु प्रालंब ; और
- (vi) एक और आभूत्य :—

परन्तु किसी ऐसी खान की वापरत जहाँ विकास में विद्याएँ पहले से चल रही हैं तब उत्तरियम् (1) के लगड़ (खड़) और लगड़ (ग) में विनिर्विट खुड़ाई के अपनों के मध्यमें मध्यस्थित आलेख नियम, इस उत्तरियम के प्रश्न हाँत को लारीख के 15 दिन भूत्तर विरकित और प्रवृत्त किए जाएँ।

(3) प्रबन्धक, उपविनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी मक्किय के प्रारम्भ में कम से कम 30 दिन पूर्व और उपविनियम (3) के परस्पर के अधीन रहते हुए अवस्थित आलम नियमों की एक प्रति प्रावेशिक को प्रस्तुत करेगा, जो किसी भी समय लिखित आदेश द्वारा नियमों में ऐसे उपायों की अपेक्षा कर सकता हो वह उनमें विनिर्दिष्ट करे।

(iii) यथापूर्वोक्त विरचित श्रीर अनुमंडित और "अस्य" शब्दों का जो उपविनियम (५) (८) आए हैं लोप किया जाएगा।

(iv) उपविनियम (5) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम
अंसःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(6) प्रबन्धक निम्नलिखित विविध करते हुए स्थायी आदेशों की फोर्म संहिता बनाएगा और कार्यान्वयन करेगा।

(क) उपयुक्त सामग्री पर्याप्त मजबूती और पर्याप्त मात्रा में श्रान्ति के उपाय और प्रदाय के लिए प्रणाली और संगठन जहाँ वे सुकर रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हों।

(क) हैंडलग की पद्धति जिसके असंगत खोलना और सम्भालना भी है, जहाँ आवश्यक क्षे, और सहृदारों का आमूल्य तक और आमूल्य रेखा से उनके नए स्थितों तक आवश्यकों का परिषङ्गत;

(ग) अनुरक्षण के लिए प्रणाली और संगठन और भालंबों की जांच इति और किसारों की देखभाल करता, आलंबों का परिनियमण, परीक्षा, प्रीति-पुनः करना तथा विस्थापन प्रालंबों का जिज्ञासा: भजनेत समृद्धिश सोजार औ द पुनःप्रतिनियमण करता;

(घ) किसी नियमित ग्रालंबकार्ता या ईसर के द्विधृती से ग्रन्तीयता रहने की वस्ता में उसके स्थान पर लापाएं जाने के लिए मदाम व्यक्तियों का पैनल; और

(४) मधी संबंधित व्यक्तियों अर्थात् लकान कर्ता ड्रेसर कार्पोरेटर, विस्टोरकर्ता, संगवार, शोवरमैन और सहायक प्रबन्धकों को जिनमें वशली के कार्पोरेटर या ड्रेसर भी हैं व्यवस्थित अनेक नियमों से और उदारितियमें तथा विनियम 110 के अधीन स्थायी शादें संचालित और कार्य की प्रकृति से जिसका उस नियमित प्रस्तुक व्यक्ति द्वारा निष्पादित किया जाए पूर्ण रूप से अवगत करने की सीधि ।

18. उक्त विनियमों के विनियम 109 के स्थान पर निम्न-
लिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“109. भारतीय लगानी — (1) (क) प्रत्येक आवाधार मुराब्बा रूप में और मुद्रा रूप पर लगाया जाएगा और छत से कम्पकर रखा जाएगा।

(स) जहां कोई छावाकर बालू या अन्य प्रशंसनीय नामस्ती पर लगाया गया है,

वहाँ 5 मीटर से अधिक मोटाई, 25 मीटर मीटर तोड़ाई
और 0.75 मीटर नंबाई के किसी सपाठ
आधार बाले दृढ़े का उपयोग किया जाएगा।

(ग) छावाधार पर उपयुक्त इकान की ओर छावाधार के अधिकार से अन्यून मोटाई 8 मेट्रीमीटर से अन्यून और लम्बाई 30 मेट्रीमीटर वे अन्यून होंगी।

(2) किसी सङ्क पथ की छत को आंतरिक बेंगे के लिए सारांश गई प्रत्येक छह सङ्क पथ के किनारों पर या सङ्क पथ के किनारों में कम से कम 50 सेंटीमीटर गहरे बनाए गए छिद्रों में मजबूती से जड़ी हुई आवधार पर या कोम्प पर या उत्पुक्त डिजाइन तथा पर्याप्त मजबूती इसात की भौमिकों पर सुरक्षित रूप से लगाई जाएंगी और छत से कम कर रखी जाएंगी। जहाँ नैंगिंग आवधार हो, अशो लैंगिंग की सव्याया, छह की प्रत्येक भीटर बैंबाहि के लिए एक से कम तरही होगी और लैंगिंग को छत में करकर रखा जाएगा।

(3) (क) आलंब के हा में प्रयुक्त प्रत्येक कोण सुनिमित होगा और प्राकृतिक कार्य पर या सुरक्षित नींव पर लगा होगा, तथा उस में यथार्थक निकट रखते हुए कम्फर बनाए रखा जाएगा।

(ख) कांग के भागों के रूप में केवल आयताकार टुकड़ों का ही उपयोग किया जाएगा, तथा काँड़ की दशा में दो आमने-सामने के किनारों पर जोड़ा जाएगा।

(ग) कोण के भाग 1, 2 मीटर में अन्यून समाई के नहीं होंगे

(४) किसी डिपिलिरिंग भेजे में कम्प्स परिनिर्माण करते में पूर्ण प्रत्येक रूप के नियारे गर लाइसेंस का परिनिर्माण किया जाएगा।

(ग) भूमिगत सभी स्थानों पर या उसके निकट—

- पर्याप्त संख्या में घब्बाकारक और कम से कम वो भूमि विवरण या अन्य उपयुक्त साप्रिक्रमा कानून में प्रयोग के लिए रखे जाएंगे;
- उपर्युक्त परियोग से यूक्त पिंजरा या कार्बनडाइप्राक्साइड गैस का पता लगाने के लिए मुद्रा निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अन्य माध्यम रखे जाएंगे; और
- एक ली वाली मुख्या लैप या कार्बनडाइप्राक्साइड गैस का पता लगाने के लिए मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अन्य माध्यम उपलब्ध रखे जाएंगे।

(3) प्रत्येक खान का प्रबन्धक किसी तपत या आग के निवारण, पता लगाने, कारबाई करने और नियंत्रण के लिए, आग या तपत को नियन्त्रित शा विलगात्र करने के लिए और उसम मक्कियां भी सुरक्षा मुनिष्टित करने के लिए उपयुक्त अग्निशमन प्रबन्धों की व्यवस्था करते और उनके अनुरक्षण के लिए एक विस्तृत स्वीम तैयार करेगा और उपलब्ध रखा पता करेगा। स्थिर परिवर्तियों के अनुसार उपयुक्त तपत से उपलब्धि की जाएगी और प्रदूषन रखी जाएगी।

22. उक्त विनियमों के विविध 120 के स्थान पर निम्नानुलिपि विविध रखा जाएगा, अर्थात्—

“120. अग्निशमक उपस्कर और संगठन :

(1) प्रत्येक खान में—

(क) जब तक कि प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा स्पष्टतया लिखित में छूट न दें वीर्ग हो, भूमिगत सभी कांप स्थानों में और आग की जोखिम बाले अन्य सभी स्थानों पर उदाहरणमया कोयला बंडार, कार्बनयुक्त सामग्री वाली फालतू मिट्टी के लिए, तान उपलब्ध करने वाली कोयला प्रभाव्य सह आदि भी है, जो प्रभावी अग्निशमन के प्रयोग के लिए पर्याप्त दाता पर अल की पर्याप्त मात्रा का प्रदाय करते के लिए परिदान के प्रभावी साधनों की व्यवस्था की जाएगी और उन्हें बनाए रखा जाएगा;

(ख) अग्निशमक उपस्करों के उपयुक्त प्रदाय के साथ अग्निशमन केन्द्रों की स्थिति की जाएगी और अग्रात्म पर और भूमि के नीचे दोनों में सुविधाजनक स्थानों में अनुरक्षित बनाए रखे जाएंगे; और

(ग) बायु या अदाका धूत या अन्तर्नीय अग्निशमकों की निष्पत्तिविधि में व्यवस्था की जाएगी—

- खान के प्रत्येक प्रसंग स्थान और उपयोग में आने वाली प्रत्येक अवतरण और शैट नहीं पर;
- ऐसे प्रत्येक स्थान पर जहाँ काठ, धोज, मेल या अन्य ज्वलन-शील सामग्री मौजित है;
- प्रत्येक इंजन काठ, विद्युत गिरण, सड़क मार्ग वाहक चालन यूनिट और इंजन अनुरक्षण कार्यशाला और भारण केन्द्र, संचयन बैटरी आवेदन केन्द्र, और
- आग की जोखिम वाले ऐसे अन्य विशेष स्थानों पर जो प्रबन्धक द्वारा विनियोग किए जाएं।

(घ) जन प्रणाली, टोटियों, अग्निशमन केन्द्र, पंपकेन्द्र, संयातन प्रणाली, बचाव मार्गों आदि को बंधन करते हुए अग्रात्म अग्निशमन आरेख बनाए रखे जाएंगे और उसकी एक प्रति खान कार्यालय और भूमि के नीचे खान में सुगम स्थानों में लगाई जाएंगी। पर्याप्त संख्या में व्यक्तियों को अग्निशमकों के उपयोग और अग्निशमन सेवा में भी प्रशिक्षित किया जाएगा। ऐसे व्यक्ति ज्यानियों को उन सभी ग्रामीण उपस्करों से विस्तृत ज्ञान के लिए देना चाहिए।

(2) (क) मोरार्गसिंह प्रकार के अग्निशमक या पानी का प्रयोग नेल की या वैद्युत अग्नि को बुझाने के लिए नहीं किया जाएगा।

(ख) फोन किस्म के अग्निशमकों का प्रयोग बैंडूत अग्नि बुझाने के लिए नहीं किया जाएगा।

(ग) रसायनों से युक्त अग्निशमकों की, जो प्रचालित किए जाने पर विद्युती या अपायकर गैसों को छोड़ सकते हैं, व्यवस्था या उनका प्रयोग भूमि के नीचे महीं किया जाएगा।

परन्तु इस खंड की किसी बात में यह नहीं समझा जाएगा कि वह ऐसे अग्निशमकों का भूमि के नीचे प्रयोग प्रतिरोध करते हैं जो वज्राप जाने पर कार्बनडाइप्राक्साइड छोड़ते हैं।

(3) (क) कोई सधार अविल प्रत्येक मान में कम से कम एक बार ऐसे उपस्कर, सामग्री या प्रबन्धों की परीका करेगा जिनको अग्निशमन के लिए व्यवस्था की गई है और यह मुनिष्टित करने के लिए कि वे उचित काम चलाऊ हालत में रहे। वह अग्निशमकों को जिनको बार आवश्यक हो उनकी बार निस्सारित करेगा और पुनः भवाएगा।

(ख) किसी ऐसी परीका के द्वारा या प्रयोग कोई कमी पाई जाएगी है तो उसे सुरक्षा द्वारा किया जाएगा।

(ग) ऐसी प्रत्येक परीका, जिसमें निस्सारण और पुनः भवण भी मम्मिलित है, की रिपोर्ट इस प्रयोग के लिए रखी गई, जिसके पृष्ठ संख्याक्रमित पुस्तक में रखी जाएगी और परीका करने वाले व्यक्ति द्वारा उस पर हस्ताक्षर करके तारीख दिलाई जाएगी।

23. विविध 122 के उपविविध (4) के खंड (क) में, “भूमि के नीचे तपत” शब्दों के परचात् “या गोक या पुरानी जनितों के किसी भेत्र का मुंह बंद करने” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

24. विविध 123 के स्थान पर निम्नलिखित विविध रखा जाएगा, अर्थात्—

“123. धूत से बचने के लिए प्रशीवदानियाँ : (1) प्रत्येक खान का स्थानी, अभिकर्ता या प्रबन्धक गैसें करन उपर्युक्त जो वून के उत्तर्वेन को कम करने के लिए और ऐसी धूत के दबाव के लिए जो भूमि के नीचे या धूतल कायंस्थल से बायु में प्रवेश करती है, आवश्यक है और यह सुनिष्टित करने के लिए कि धूत की योग्य धूत के प्रति कमेकारों का अनावृत रहता उस हृत तक सीमित हो जाए जो युक्तपूर्वक रूप से साध्य है, किन्तु किसी भी दशा में यह उन सीमा से प्रतिकृत हो जाए तो जो अविक्षयों के स्थान्य के लिए हानिप्रद हो।

(2) इस विविध के प्रयोग के लिए किसी अविल के कार्य करने या गुजरने या यहाँ होने के लिए कोई स्थान प्राविनिकर हालत वाला नहीं समझा जाएगा, यदि आठ घंटे का समय जो बायु गृहित प्रक्षयात्मक धूत का बजायीकृत औसत संकेन्द्र है, सुधूप निरीक्षक द्वारा माध्यारण या जिसी आदेश द्वारा विनियोग करने के अनुसार अनुमोदित और अवधारित किस्म के गुरुत्वमयी धूत प्रतिकृत द्वारा सेवा किए गए बायु के प्रति क्षूपिक मीटर मिले प्राप्त में बड़ी तीन से प्रत्येक ही बायु है ताकि निर्बाध व्यवसीय विवरण तिलिका 5 प्रतिशत से कम है और अन्य दणाओं में विवरण निर्बाध एवमनीय विवरण की प्रतिकृतता के साथ 18 अंक को विभाजित करके प्राप्त मृद्यु।

(3) (क) प्रत्येक खान का स्थानी, अभिकर्ता या प्रबन्धक इस विविध के प्रवृत्त होने के लिए धूत मान के भीतर और उसके प्रवाल वस-सै-कम पर्याप्त, धूत मान में गृह जब कमी निखिल प्रदैश द्वारा आविनिक निरीक्षक ऐसी भूमि करें, प्रत्येक ऐसे कार्य स्थान पर, जहाँ

वायुवाहित धूत विकासित होती है, यहां की वायु का तैरात हता है और उपर्युक्त व्यवसंनय धूत के संकेन्द्रण अवधारित करता है।

परन्तु यदि किसी कार्यस्थान पर किसी माप के मकेन्डण उपरिनियम (2) में विनियोग अनुज्ञात संकेन्द्रण (जिसे इसमें धूत के पावतात् 'अनुज्ञात सीमा' कहा गया है) पराम प्रतिशत या पक्षवृत्त विनियम से अधिक प्रतीत होता है तो पक्षवृत्ती माप ऐसे अन्वरात पर किए जाएंगे जो क्रमानुसार तीन मास या एक मास से अधिक का न हो।

परन्तु यह और कि ऐसे माप भी, किसी संयंक्ल उपस्थर या मणीनीरी के चालू किए जाने पर या किसी नवीन कार्य अभ्यास के प्रारम्भ किए जाने पर या उसमें ऐसे परिवर्तन किए जाने पर जिससे वायुवाहित व्यवसंनीय धूत के स्तरों में पर्याप्त परिवर्तन होने की सम्भावना हो, तुरन्त किए जाने चाहिए।

(ख) लिए गए नमूने यावत्साह्य कर्मचारियों के धूत प्रभावन स्तरों के द्वातक होते हैं। इस प्रयोजनार्थ सैम्पत्ति को धूत जनन विन्तु की विधियों द्वारा में तथा प्रजाताक या अन्य कर्मकार, जिनका प्रभावन उसके कर्मकारी समूह में अधिकतम समझा जाए, की सामान्य काम करने की विधि के 1 मीटर के भीतर किन्तु उसके पीछे नहीं लगाया जाएगा।

(ग) नियत स्थान पर नमूना लेने के परिणामों पर आधारित कर्मकारों के विभिन्न प्रवर्गों के लिए द्वातक धूत प्रभावन यूपरेक्षा प्राकलित की जाएगी और प्रति जांच के साधन के रूप में स्थिर मानिटरिंग को ऐसे करने हुए कर्मकारों की प्रवेशद्वारा तक वैयक्तिक मानिटरिंग द्वारा संभवतः अनुकूलित किया जाएगा जिनका प्रभावन उनके कर्मकारी समूहों का द्वातक समझा जाएगा।

(घ) सैम्पत्ति ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसे विशेष रूप से इस प्रयोजन के लिए प्रशिक्षित किया गया है, ऐसे सैम्पत्ति लेने वाले उपस्थरों और उपसाधारों के साथ लिया जाएगा जिनकी शुद्ध अनुरक्षण और कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए जांच पड़ाताल कर ली गई हो और जिनकी परीक्षा, परीक्षण तथा अशांकन ऐसी तारीख को किया गया हो जो एक वर्ष से पहले की न हो।

(ङ) नमूनों में विद्यमान अन्तःव्यवसंनीय शून्यांश और पूर्णतया किसी कोयला संस्तर में की जा रही खुदाई से भिन्न किसी खुदाई से संबंधित नमूनों की दस्ता में स्फटिक अंग यथामाल्य शीघ्रता से नमूचित रूप से सुरक्षित एक ऐसी प्रयोगशाला में किया जायगा जो मुख्य निरीक्षक द्वारा इस निमित्त लिखित रूप में अनुमोदित की गई हो।

(च) वायुवाहित व्यवसंनीय धूत के मापों के सभी परिणाम और सभी अन्य सुसंगत विशिष्टियां सैम्पत्ति के संग्रह किए जाने की सारी व्यवसंगत व्यवस्था की दस्ता में स्फटिक अंग यथामाल्य शीघ्रता से नमूचित रूप में व्यवस्थित रूप में अभिलिखित की जाएंगी और चौकास घंटे के भीतर पूर्वोक्त व्यवसंगत व्यवस्था की प्रदेशिक प्रविधिट प्रवर्तक द्वारा प्रतिहस्ताकरित की जाएंगी और तारीख दाली जाएगी।

(४) जब धूत को सामीक्षर करने के परिणामों से यह साधित हो जाता है कि किसी स्थान पर धूत संकेन्द्रण को अनुसूची सीमा बढ़ गई है तब धूत के उत्तर्वर्तन को कम करने के लिए तुरन्त कदम उठाए जाएंगे और प्रादेशिक निरीक्षक को अधिकृतित किया जाएगा। विन्तु यदि अस्त व्यवसंनीय धूत का औसत संकेन्द्रण पक्षवृत्ती माप के दोरान 7 कर्मवर्षों सामान्य कार्य परिवर्तनों में लिए गए और अम्बद्ध नमूनों के अनुसूची सीमाओं में ऐड गुना अधिक हो जाता है तो सुसंगत संकिया या संकियाएं जिसमें अधिक धूत उत्तर होती है, बढ़ कर दी जाएंगी। संकिया या संकियाएं तब तक पुनः आरम्भ करने वाले अवाने नहीं दी जाएंगी जब तक कि धूत के निवारण और विरोध के लिए सुधार न कर लिए गए हों और उस संकिया या संकियाओं के पुनः आरम्भ किए जाने पर तुरन्त लिए गए नमूनों से यह साधित नहीं हो जाता कि ऐसे सुधारों का धूत संकेन्द्रण 'अनुज्ञाय सीमा' से कम हो गया हो।

परन्तु यदि किसी मणीनीरी या उपस्थर और धूत वित्ती और उपर्युक्त व्यवसंनीय कार्य यहां में असफल रहती है तो उस व्यापारी या उपस्थर का संचालन उसी प्रकार बद्द कर दिया जायगा और यह तक पुनः आरम्भ नहीं किया जायगा जब तक कि उसने आई उम वृद्धि की दीक्षा नहीं कर दिया आना है।

परन्तु यह और कि किसी ऐसी कार्य विधि में, जहां शुद्ध रूप से संरक्षण के आकस्मिक उपाय या अनुरक्षण उपाय के दो में, तकनीकी दीक्षा से व्यवसंनीय धूत संकेन्द्रण को अनुज्ञात सीमा से नीचे रखना संभव नहीं है या किसी युक्ति या प्रतिविधियों और चालू करने वाले नियारण या उपर्युक्त व्यवसंनीय धूत के शीर्ष, अनुरेत धूत अनावरण-सीमा को अनुज्ञात सुदूर संकिया द्वारा या कार्य अवर्तन द्वारा प्राप्त किया जा सकेगा और ऐसा करने में असफल रहने पर मनुकित धूत एवं विधि के प्रयोग द्वारा प्राप्त किया जा सकेगा।

(५) प्रत्येक ऐसा व्यावरण का स्वामी अभिकर्ता या प्रवर्तक, जहां धूत व्यक्तियों का व्यवर्तन की सकती है, संविधित कर्मकार व्यक्ति की साथान के विना उसके प्रयोग के लिए पर्याप्त संख्या में धूत व्यक्तियों की धूत प्रसिद्धि की विधिमित सकाई, त्रिमासण और दक्षतापूर्ण कार्यकरण की हालत में अनुरक्षण करने की और व्यक्तियों की सम्भित्रित किए गए और संवर्धन कर्मकारों की दृष्टकी अवश्यकता और प्रयोग करने की पूर्ण कृप में प्रशिक्षण की व्यवस्था करेगा।

(६) धूत फैलने और एकत्रित होने और वायुवाहित धूत के प्रभाव को नियारित करने के लिए नियन्त्रितिवा उपवर्त्त प्रभावी होंगे। प्रयोग—

(क) धूत का उपर्युक्त उपर्युक्त बनाने के लिए जहां यह वाली है, यथासंस्कृत समीप किया जाएगा।

(ख) धूत पर या धूत में नीचे अध्यर बद्दनि या बोर करने के दौरान—

(i) ऐसे टक्कड़ों जो लीअन हों, और मनुकित आकार के हों, का प्रयोग करके, टक्कड़ों पर उपर्युक्त व्यववाह आतकार और छिद्रों को करने से नाक करके धूत के उत्पादन को कम किया जाएगा।

(ii) प्राकृतिक रूप से भीगी भूमि के निवाय, कर्मनों की गीता करने के लिए पानी का जेट काटने वाले किनारे की और किया जाएगा या मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित उपर्युक्त उपर्युक्त प्रयोग की व्यवस्था की जाएगी और वातावरण में धूत भरने से निवारण के लिए उपर्युक्त प्रयोग में रक्षा जाएगा। जहां वायु मंचालित ड्रिलिंग की जाए वहां संपीड़ित वायु का ड्रिल के लिए उपयोग करने से पूर्वी पानी लोप विधा जाएगा। किन्तु जहां ड्रिलिंग हाथ से की जाए वहां ऐसी ड्रिलिंग के द्वारा सुरक्षा को नियन्त्रित आइ रखना पर्याप्त होगा।

(ग) सूमितल पर या मनुक के नीचे प्रत्येक सड़क, जहां वायु उत्पादन मणीनीरी कार्यरत हो तियमित रूप से गीती रखी जाएगी या किसी अन्य उपर्युक्त प्रकार की काशार युक्ति द्वारा वातावरण में फैलने वाली धूत को कम करने की लिए प्रभावी धूत में पूर्वी पानी लोप विधा जाएगा। जिसमें की वातावरण में धूत न उठ पाए।

(ब) व्यनिजों या अन्यकों को छानने या छानने के लिए कोई संयंक्ल और यथावाक्य सिडर, सीमेंट, रेत, मोरटार या अन्य शुल्क और वारोक मामग्री को कोई ढेर किसी डाउन कास्टशेप्ट या अंतेग्नीत वायुमार्ग के उपर 80 मीटर के भीतर नहीं रखा जाएगा, या ऐसी किसी सामग्री को इस प्रकार प्रयोग में नहीं लाया जाएगा जिसमें कि यह वायुवाहित हो जाए और ऐसे शैक्षण या वायुमार्ग में विस्थार न लाया जाए।

(अ) भूमि के जीते की प्रतीक यात्रा ।—

(i) ऐसे किसी गणीनीया या उपस्कर को, जिसमें यन्मान गीमा से शक्ति पूर्व निकलने की संभावना है, तब तक नहीं यन्मान जाएगा जब तक वह समुचित धूल निशासक थीं और उसने जीवित से सुप्रिज्ञत न हो और तब तक कि ऐसी सुनित कारगर रूप से कार्य न कर रही हो।

(ii) प्रत्येक यांत्रिक कोयला कर्तृक पर यिकों को दिजायल व्यवस्था, सामग्री और हालत ऐसी होती जिसमें कि धूल का बनाना कम से कम हो जाए, और कोई यांत्रिक कोयला कर्तृक तब तक प्रकाशित नहीं किया जाएगा जब तक समुचित जल के छिकाव या जल के टैट का उसके कटिंग किनारों पर रख न किया जाए, जिसमें कि कटिंग को नम किया जा सके जैसे ही थे बने।

(iii) प्रत्येक कार्यरत मुख और उसके साठ मीटर के भीतर प्रत्येक सड़क या वायुमार्ग के तल, छात और किनारे जब तक पूरी तरह स्वास्थ्यिक रूप से यीते न हों, धूल एक्सिप्शन होने से रोकने के लिए नियमित रूप से धूताई की जाएगी और उन्हें गाम की परिणामों के दौरान पूर्णतः गीला रखा जाएगा।

(iv) किसी मणीनीया या मिक्यों से निकलने वाली धूल को भाक करने के लिए पर्याप्त वायु प्रवाह और धूल संकेन्द्रण की "यन्मान मीक्षा" से जीवे रखने के लिए साधारण संवातन द्वारा योग नहि प्राप्तयक हो स्थानीय संसाधन द्वारा बनाए रखा जाएगा जिसमें कि व्यापक योग्य किसी गणक भार्या या कार्यस्थान में वायु की गति ऐसी न हो जिसमें कि बनावरण में धूल उड़े।

(v) विमोटन के पश्चात कार्यस्थान में तब तक प्रवेश नहीं किया जाएगा जब तक वायु प्रवाह व्हार धूल धूल और गम्भय वायु के नाक ही जाने के लिए पर्याप्त समय न दी गया हो तथा अंडिन सामग्री को तब तक नहीं हटाया जाएगा, जब तक इस जल द्वारा पूरी तरह से यीना स कर दिया गया हो।

(vi) कोयले के परिवहन के लिए प्रयुक्त मानों, टकों और यन्मानों को अच्छी हालत में रखा जाएगा जिसमें कि प्रधिल बन या रिसन फम ही मात्र गूदा, सर्विक कल्पनायों, कल्पनायों, रिसनकों कल्पनायन निर्वहन क्रियायों और बाली नदान और उत्तरान संस्थापनों का इस प्रकार नियोग किया जाएगा जिसमें कि धूल बनना न्यूतम हो जाएगा। ऐसी सामग्रियों को यथि वे पूरी यीली नहीं हो या धूल बनाने के ऐसी अन्य किसी युक्ति का प्रयोग नहीं किया जाए पूरी तरह गीला भी किया जाएगा।

(vii) जब तक कि विजेष कटिनाईयों के कारण, प्रावेशिक निर्गीतक द्वारा इस नियम लिखित रूप से छूट नहीं दी जाती है और ऐसी गमों के अधीन रहते हुए जिसे यह उसमें विनिर्दिष्ट करें, पायणों में जल को पश्चिम परिमाप में और पर्याप्त दवाव के अधीन और अलग से किरण, परिषंग प्रणाली का भी उपचार दिया जाएगा और उसी हालत में बनाए रखा जाएगा जिसमें कि धूल फों अधिक कारगर रूप से गाल किया जा सके।

(च) कोयले या पर्याप्तों के वीमन, लोडने, विषटिन करने, तराशने, लाउने, ग्राइडिंग करने, आनने या सीविंग करने की किसी प्रतियों को या उसमें यन्मानिक यिकी संकिया की किसी खानमें तब तक नहीं किया जाएगा जब तक प्रधनपूर्वक पानी बेने या अन्य समुचित और प्रधावी धूल नियंत्रण उपाय जैसे कि, जो अलग करने वाला लगाने, संवातन और धूल संप्रहण तक सीमित नहीं है, परिवित, उच्चाभिष्ठ, अनुश्वित और प्रयोग नहीं किए जाने हैं।

(छ) भूमि के नींवे निष्कामित वायु की, जिसमें "यन्मान गीमा" के अधिक धूल हो, कारगर रूप से बनकल किया जाएगा और यदि आवश्यक

हो तो कायेस्थानों में ऐसे धूल: परिवायित करने में पूर्व या बातावरण में घोड़ने से पूर्व, इस प्रकार किस्टरित किया जाएगा जिसमें कि उसमें भी व्यवस्थाये धूल के मकेन्डल को "यन्मान गीमा" में ही प्रतिशत में रहा जा सके।

(ज) किसी मणीनीयी, उपस्कर या प्रक्रिया द्वारा उत्पादित धूल के नियारण और बनाने के लिए तथा निष्कामित वायु को फिल्टर करने के लिए भी प्रधन प्रत्येक युक्ति का और प्रत्येक धूल स्वस्थित का सात विन में कम से कम एक बार निरीक्षण किया जाएगा और प्रत्येक द्वारा साम भी अवधि में कम से कम एक बार पूरी परीक्षा और जांच भी जाएगी और प्रत्येक ऐसी निरीक्षण, परीक्षा और जांच के परिणामों का रिपोर्ट को, उपविनियम (3) के खण्ड (d) के अधीन रखे गए रजिस्टर में अभिनियित किया जाएगा।

(क) प्रत्येक ऐसी आन का प्रबन्धक जहाँ वायुवाही धूल उत्पादित होती है, एक स्कीम बनाएगा और उसे कार्यस्थान करेगा जिसमें निम्नलिखित विविदिष्ट होगा—

(क) नमूने लेने का प्रबन्धक जहाँ वायुवाही धूल उत्पादित होती है, एक स्कीम बनाएगा और उसे कार्यस्थान करेगा जिसमें निम्नलिखित

(ग) प्रयोगशाला, जहाँ नमूनों की व्यवस्थाये धूल की अस्तरेस्तु और स्टॉटिक अस्तरेस्तु अवधारित भी जाएगी।

(घ) रूप विधान जिसमें धूल-संकेन्द्रण के मार्गों के परिणाम और अस्य विविदिष्यां अविलिखित की जाएंगी।

(इ) धूल मानिटर करने और धूल नियारण तथा उसे बनाने मेंवी उपायों और धूल अवस्थाओं का परीक्षा और प्रनुक्तण के लिए संयंत्र; और

(ज) धूल नियंत्रण उपायों के कार्यनियन में संबद्ध मधी व्यक्तियों को इस नियम प्रत्येक द्वारा किए जाने वाले कार्य की प्रक्रिये में पूर्णतः सुपरिचित करने की रीति।

(क) प्रारंभिक निर्गीतक, जहाँ विशेष परिवितियां विद्यमान हो, एक लिखित आदेश द्वारा और ऐसी जर्ती के प्रधीन रहते हुए जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, पूर्वामी उपबन्धों में या प्रबन्धक की स्वीम में, किसी परिवर्तन की अनुज्ञा दें सकेगा या अपेक्षा कर सकेगा।

(क) इस विनियम में विनिर्दिष्ट किसी आन के संबंध में किसी शंका के उल्लंघन होने पर वह मूल निरीक्षण की विनियम के लिए विनिर्दिष्ट की जाएगी।

25. उक्त विनियमों के विनियम 123-के उपविनियम (1) के पश्चात निम्नलिखित उपविनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अवधि :—

(क) (क) आन के ऐसे प्रत्येक भाग को जो प्राकृतिक रूप से पूर्णतः गीला नहीं हो या जो विस्फोट गोदी रोक से अलग नहीं किया गया है।

(क) आनीक अन्तर्लानशील धूल से, ऐसी रीति में और ऐसे मलतरालों पर अभिनियित किया जाएगा जिसमें सुनिज्ञता होती है कि फर्श, इन और किनारों पर धूल और किसी आवंत या संरचना में कोयले के सम्बन्ध व्यक्त होता है, जिसमें वायुपात्रील परार्थ (धूल और ग्राव गहित आवार पर) 30 प्रतिशत से कम है, अन्तर्लानशील पदार्थ का मिश्रण होता है 25% से कम नहीं होता और ऐसे कोयले के सम्बन्धों की वज़ा में, जिसमें ऐसे वायुपात्रील पदार्थ के 30 प्रतिशत से अधिक है, अन्तर्लानशील पदार्थ 85 प्रतिशत से कम नहीं होता, या

(क) भूमि के नींवे की प्रतीक यात्रा ।—

(ii) पानी से ऐसी गति में और अन्तरालों पर अधिकारित किया जाएगा जिसमें सुनिश्चित हो कि फर्म, छन और किनारों पर भूत और किसी आवंव या संरचना पर सहैव प्रणालीमध्यमें जल भार के आधार पर 30 प्रतिशत में प्रयोजन में कम नहीं होगा ; या

(iii) ऐसी गति में अधिकारित किया जाएगा जो प्रावेशिक निर्गतिक निश्चित रूप में आदेश द्वारा अनुमोदित करे ।

(ब) इस उपविनियम के प्रयोजन के लिए प्रयोग की गई अन्यतर शील धूत -

(i) ऐसी होगी कि उसमें मूक्त गिनिका 5 प्रतिशत से अधिक न हो ;

(ii) इनी व्यापक और ऐसे स्वरूप की होगी कि वह धार्य में आवानी से विवरते योग्य हो और वह कि जब उन स्थानों में प्रयोग की जाए, जो परन्तु जल द्वारा प्रस्तरणः गंते नहीं किए गए हैं, वह पिछ न बने, किन्तु जब मृत्यु या किसी मरुचित गांधिन द्वारा उत्तर्वार्थ जाए, तो वायर में विवरण जाती है ; और

(iii) वायासाथ रंग में हल्के रंग की होगी ।

(ग) ऐसी कोई भी अन्यतर शील धूत प्रयोग नहीं की जानी चाहिए यहि वह परीक्षणों में, जो प्रत्येक तीन मास में कम से कम एक बार किए जाएं, पूर्वामी अपेक्षाओं के अन्तरूप नहीं पाई जानी है :

परन्तु जब किसी खान में प्रयोग की जाने वाली अन्यतर शील धूत का प्रदाय किसी नियमित स्रोत से नहीं है, तो जब भी अन्यतर शील धूत का नया प्रदाय प्राप्त होता है तो परीक्षण किए जाएं ।

(घ) यहि कोई स्थान या खान का भाग अन्यतर शील धूत से अधिकित किया जाना है, तो --

(i) अन्यतर शील धूत से अधिकित करने से पूर्व, सभी कोयले की धूत यथावत्य रूप, किनारों, कर्ण, आकाशादार, काग, फूँ, विभाजक संपदा या कोई अन्य वस्तु या संरचना या स्थान से, जिस पर कोयले की धूत जमा हो जाए, भाफ की जाएगी और इस प्रकार एकत्रित होने वाली सभी धूत 24 घण्टे के भोतर सतह पर हटाई जाएगी ।

(ii) अन्यतर शील धूत पर्याप्त भावा में और ऐसे अन्यतरों पर जो, उपविनियम (1)(ब) के उपनिधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हों, वस्तुओं, संरचनाओं और स्थानों पर कोई भी कमी तुरन्त प्रवरक के खान में काई जाएगी ;

(iii) धार्य के बहने की दिग्गज में कोयले की धूत की सफाई की जाएगी और अन्यतर शील धूत फैलाई जाएगी ।

(iv) अन्यतर शील धूत का पर्याप्त प्रदाय, खान के उपयुक्त स्थानों पर सुगमता से उपनिध होगा और भूमि के नीचे धूत के प्रदाय में कोई भी कमी तुरन्त प्रवरक के खान में काई जाएगी ; और

(v) भिन्न-भिन्न स्थानों में बदल लगाई गई और खान में कषायों पर या धूत गोशों में रखी गई अन्यतर शील धूत, जब कभी वह सुगमता से विवरते योग्य नहीं है या उस पर कोयले की धूत की परत आ जानी है, वह दो जाएगी ।

26. उक्त विनियमों के विनियम 123-व्य में--

(i) उपविनियम (1) में, "विनियम 123" धूत और अंकों के स्थान पर "विनियम 123 प्रीर 123-क" हैं शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएं,

(ii) उपविनियम (1) में-

(ग) खण्ड (ब) में, "24 घण्टे" अंकों और शब्द के स्थान पर "20 घण्टे" अंक और शब्द रखे जाएंगे :

(घ) खण्ड (ग) में, "विनियम 123(5)(ब)" शब्द, अंकों, कोण्डों और अक्षर जहाँ कहीं वे आते हैं, वे स्थान पर "विनियम 123क (1क)(क)" शब्द, अंक, अक्षर और कोण्डक रखे जाएंगे ।

(iii) उपविनियम (5) में, "विनियम 123(5)(ब)" शब्द, अंकों, कोण्डों और अक्षर के स्थान पर "विनियम 123क, (1 क) (क)" शब्द, अंक, अक्षर और कोण्डक रखे जाएंगे ।

27. उक्त विनियमों के विनियम 127 में--

(i) उपविनियम (1), (2) और (3) के स्थान पर निम्नविविच उपविनियम रखे जाएंगे, अतिरि -

"(1) प्रत्येक खान में उसी खान का पार्श्वस्थ खान की खुदाईयों से जब वे गीली हो जाएं ताकी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के फृट निकलने को रोकने के लिए, जिसके बहने की संभावना है, और जांच के लिए बोर छिप प्रवेशित करने समय या गानी या अन्य द्रव पदार्थ निकलने के समय होने वाली दूर्घटनाओं को रोकने के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी ।

(2) जहाँ निम्नविविच में कार्य किया जा रहा है -

(क) (i) किसी अन्य सीम या सैक्षण के नीचे कोई सीम या सैक्षण ; या

(ii) किसी सीम या सैक्षण के नीचे के ऐसे स्थान में जो किसी निम्न-कर सीम या सैक्षण के किसी स्थान से निम्नतर तल पर है ; या

(iii) किसी सीम के, जो वरार के समीप है जो किसी ऐसे उपरिसीम, या सैक्षण से होकर गुजरती है जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ के संचय से धूत है या हो मकता है, या किसी ऐसे अन्य द्रव पदार्थ से धूत है जिसके गीला होने की दिग्गज में बहने की संभावना है, किसी स्थान में ;

(ब) किसी जल वाले तल में, सभी उपयोगी सूचनाएं, जिनके अंतर्गत उपावर्धित संक्षणों की स्थिति, विस्तार और गहराई भी है अर्जित की जाएगी और उसका अधिनेत्र रखा जाएगा तथा पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के फृट निकलने को रोकने के लिए, जो गीला होने की दिग्गज में बहती हो, कार्यकर्ता की एक स्थीम बनाई जाएगी और उसे कार्यान्वित किया जाएगा ।

(3) उपविनियम (1) और उपविनियम (2) की अपेक्षाओं पर प्रतिकूल प्रभाव द्वारा बिना, जब कोई खेदाई किसी अन्य खुदाई के (जो ऐसी खुदाई नहीं है जिसकी पर्वता की जा चुकी है और जो पानी या अन्य द्रव पदार्थ या अन्य सामग्री के संचय से धूत पाई गई है, जिसका गीला होने पर जलावन संभाव्य है) 60 भीटर के अंदर पहुँच जाए, चाहे वे उसी खान में हो या किसी पार्श्वस्थ खान में हों, तब तक उसका और आपे विस्तार प्रावेशिक निरीक्षक को लिखित पूर्ण अनुका और उत गतों के अधीन हो, जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, किया जाएगा अन्यथा नहीं ।

स्पष्टोकारण : इस उपविनियम के प्रयोजन के लिए उक्त खुदाईयों के बीच की ही से अधिकतम होगी, यथास्थिति एक ही सीम की बिन्दियों या किसी दो सीमों या सैक्षणों की न्यूनतम दूरी, चाहे वह किसी भी दिग्गज में नापी जाए, अथवा आपे लैनिज कप में नापी जाए, या उष्णविश्वर या अन्य कप में ।

(ii) उपविनियम (6) के खंड (क) में “मध्ये ऐसे बोर छिलोगे” शब्दों के पश्चात् “एक दूसरे के पर्याप्त रूप से समीप यह मुनिपिलियल कर्त्तव्य के लिए प्रबोधित किए जाएंगे कि उनके अप्रत्यक्ष में छिद्र न हों मके जिससे कि तुर्बेटन के समय पानी या द्रव पदार्थ या कोई अन्य सामग्री उन खुदाहयों में से जब तक गीली हों और उनका फूट निकलता संभाग्य हो बहकान न आ सके” एवं अंतः स्थापित किए जाएंगे ।

28. उक्त विनियमों के विनियम 136-क के नीचे की सारणी में, स्तम्भ 1 में “प्रथम डिप्री” शब्दों के स्थान पर “प्रथम, द्वितीय या मूनीय डिप्री” एवं और “द्वितीय डिप्री” शब्दों के स्थान पर “प्रथम या द्वितीय डिप्री” एवं अन्य जाएंगे :

29. उक्त विनियमों के विनियम 146 में,—

(i) उपविनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(i) कोई भी खान या बैलरी, निकटनप राशन संयोजन में 4.5 मीटर से अधिक दूरी तक विस्तारित नहीं की जानी जब तक कि आयु प्रबाह अग्नि प्रविग्रही पालपो, द्रूपों, विसाजकों या अन्य सामग्री के माध्यम से मध्य के 4.5 मीटर के भीतर किसी स्थल तक नहीं पहुँचता है ।”

(ii) उपविनियम (7) और (8) का बोत किया जाएगा ।

30. उक्त विनियमों के विनियम 149 का नं। फि जाएगा ।

31. उक्त विनियमों के विनियम 194 के उपविनियम (1) में, “119 (2)” अंकों और कोण्ठकों के स्थान पर “118-क (3) (4), 119 (2) (क) और 120 (3) (क)” अंक, अबत्र और कोण्ठक रखे जाएंगे ।

32. उक्त विनियमों के विनियम 204 में,—

(i) पार्श्व गोर्खक के स्थान पर निम्नलिखित पार्श्व गोर्खक रखा जाएगा, अर्थात् “समिति को शालीन ।”

(ii) उपविनियम (1) में --

(क) “मुख्य निरीक्षक के नीचे विनिर्दिष्ट किसी आदेश के विरुद्ध” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित पार्श्व रखे जाएंगे अर्थात् :—

“इन विनियमों के अधीन मूल निरीक्षक हारा किए गए किसी मूल आदेश के विरुद्ध या मूल निरीक्षक हारा किए गए किसी मूल आदेश के विरुद्ध या मूल निरीक्षक हारा प्रादेशिक निरीक्षक के आदेश के किसी अधीन पर विनियम 203 के अधीन पारित किसी आदेश के विरुद्ध” :

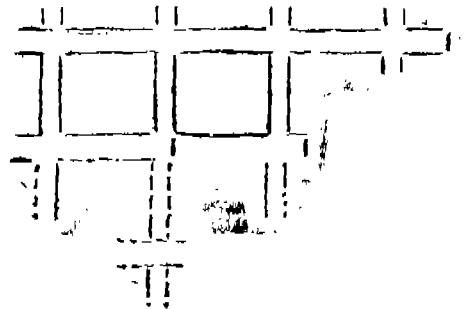
(ख) खंड (i) और (ii) का लोप करा जाएगा ।

33. उक्त विनियमों के दूसरी अनुमूली में विनियम 58 के अधीन “नभ और गैलरिया” नाम के सामने विचारान प्रतीक और प्रक्रियाओं के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

प्रतीक

टिप्पणी

बिटु रेवाओं वाले वर्षित खुदाहयों का वर्णन नहीं किया गया है और उनका विस्तार युक्त रूप में नहीं है ।



[फारू म. पा. 66012/6/184/86-एम. -I एल पा. एवं]
प्रारू पी. पा. एवं, उप-मंत्रिम्

MINISTRY OF LABOUR

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 1990

G.S.R. 550(E):—Whereas the draft of certain regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957 was published under sub-section (1) of section 59 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), [(I) in the Gazette of India, Part II Section 3(i) dated the 23rd June, 1988 and (II) in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3(i), dated the 15th July, 1988] under the respective notifications of the Government of India in the Ministry of Labour Nos. 732 dated the 23rd June, 1988 and S.O. 787 (E) dated the 15th July, 1988, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of three months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazettes were made available to the public on the 1st August, 1988 and 23rd August, 1988 respectively;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 57 of the said Act, the Central Government, after referring the said draft to the Committee constituted under the said Act and after giving it a reasonable opportunity of reporting as to the expediency of making

of the said regulations and as to the suitability therof as required by Sub-section (4) of Section 59 of the said Act, hereby makes the following regulations further to amend the Coal Mines Regulations, 1957, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Coal Mines (Amendment) Regulations, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In regulation 2 of the Coal Mines Regulations, 1957, (hereinafter referred to as the said regulations), after clause (34) the following clause shall be inserted, namely:—

“(34-A) “Working” means any excavation made or being made in a mine for search of or obtaining coal.”

3. After sub-regulation (10) of the regulation 11 of the said regulations, the following proviso shall be inserted, namely:

“Provided that if at any meeting there is no quorum as aforesaid, the meeting shall automatically stand adjourned to a date which is seven days later or if that day is a public holiday to the next working day and the time, place and agenda for the adjourned meeting shall remain unchanged. It shall thereupon be lawful to dispose of the business at such meeting irrespective of the number of members attending.”

4. In regulation 15 of the said regulations:

(i) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(2) No person shall be admitted as a candidate to any examination for Manager’s, Surveyor’s, Overman’s or Sirdar’s Certificate unless he has passed the Secondary School examination of a recognised Board or its equivalent, and for an Engine-driver’s or Shotfirer’s Certificate unless he satisfies the Board that he is literate:

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to debar a person not satisfying the provisions thereof from being admitted at an examination for a Sirdar’s Certificate on or before the 1st day of January, 1992, if he had been admitted at an examination for the said Certificate earlier.”

(ii) sub-regulation (2A) shall be omitted.

5. For regulation 20 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely:—

“20. Fees for grant of certificates: (1) Fees on the following scale shall be paid in respect of every application for the grant of a certificate:

(a) in the case of a First Class Manager’s Certificate..Rs. 100.00

(b) in the case of a Second Class Manager’s Certificate..Rs. 75.00

(c) in the case of a Surveyor’s Certificate..Rs. 50.00

(d) in the case of an Overman’s Certificate..Rs. 50.00

(e) in the case of a Sirdar’s Certificate..Rs. 30.00

(f) in the case of a I Class Engine-driver’s Certificate..Rs. 30.00

(g) in the case of a II Class Engine-driver’s Certificate..Rs. 25.00

(h) in the case of a Shot-firer’s Certificate..Rs. 25.00

(i) in the case of Gas-testing Certificate..Rs. 25.00

(j) in the case of a Lamp-checker’s Certificate..Rs. 25.00

(2) Except where the candidate has died before the examination for grant of a certificate, fee paid as aforesaid shall not be refundable.”

6. In regulation 22, for the word “stipulate”, the word “prescribed” shall be substituted.

7. Regulation 25 of the said regulations shall be omitted.

8. For regulation 26 of the said regulations, the following shall be substituted, namely:—

“26. Suspension or cancellation of Manager’s, Surveyor’s, Overman’s, Sirdar’s, Engine-driver’s Shot-firer’s or Gas-testing Certificates:—(1) If the Regional Inspector is of the opinion that the holder of a Manager’s, Surveyor’s, Overman’s, Sirdar’s, Engine-driver’s Shot-firer’s or Gas-testing Certificate is incompetent or is

guilty of negligence or misconduct in the performance of his duties under the Act or under these regulations, he shall bring the matter to the notice of the Board.

The Board may authorise in writing an Inspector, not being and not below the rank of the Inspector whose report formed the basis of the said opinion, to hold an enquiry to determine whether or not such a person (hereinafter referred to as the delinquent) is fit to continue to hold such certificate. The Board shall, before the beginning of the enquiry, furnish to the delinquent a statement of the case on which the enquiry is instituted.

(2) During such enquiry the Inspector authorised to conduct the enquiry shall be provided with all relevant documents and he shall record:

- (a) the evidence of any witness that formed the basis of the said opinion;
- (b) any evidence that the delinquent may like to give;
- (c) the evidence of any witness that the delinquent may like to produce;
- (d) the evidence of Manager of the mine; and
- (e) any other evidence that may be considered necessary or relevant by the Inspector conducting the enquiry.

Unless the delinquent fails to be present in spite of sufficient notice, the evidence aforesaid shall be recorded in the presence of the delinquent and he shall be given a reasonable opportunity to cross-examine the witness (other than those produced by him). The Inspector conducting the enquiry also may cross-examine the delinquent and the witnesses.

(3) The Inspector who conducted the enquiry shall, within fifteen days from the date of conclusion of his enquiry, send a report to the Board together with his findings, the notes of evidence recorded during the enquiry and other relevant records.

(4) Copies of the notes of evidence and the findings of the Inspector who conducted the enquiry shall also be sent to the delinquent who may submit his written representation to the Board within thirty days from the date of despatch of such copies.

(5) The Board may, after considering the evidence and other records and the written representation, if any, submitted by the delinquent, either cause further enquiry to be made in the case and thereupon, or otherwise, either exonerate the delinquent of the charges against him or suspend or cancel the certificate, as it deems fit.

(6) Against any order of the Board under this regulation, an appeal shall lie before Central Government within 30 days of the order.

(7) Where a certificate is suspended or cancelled under this regulation suitable endorsement may be made on such certificate or a duplicate thereof issued under regulation 23."

9. In regulation 31 of the said regulations, the second proviso to sub-regulation (2) and the words "or of Regulation 149," occurring in sub-regulation (3), shall be omitted.

10. After regulation 32 of the said regulations, the following regulations shall be inserted, namely:—

"32-A. Qualifications and appointment of ventilation officer. In every mine consisting of gassy seams of first degree, the average output of which exceeds 5,000 tonnes or of second or third degree the average output of which exceeds 2,500 tonnes, the manager shall be assisted in the work of supervising the maintenance of the ventilation system of the mine in accordance with the provisions of these regulations by a ventilation officer who shall be a person holding the following qualifications:—

(a) in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output in excess of 15,000 tonnes or a mine consisting of gassy seams of second or third degree and having an average output in excess of 10,000 tonnes, a Manager's Certificate; and

(b) in every other case, a Manager's Certificate or a Degree, Diploma or Certificate in Mining or Mining Engineering approved for the purpose of the proviso to sub-regulation (1) of regulation 16.

Provided that, where special conditions exist, the Regional Inspector may, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, permit or require the appointment of a ventilation officer in variance of

these provisions or require the appointment of such number of persons to assist the ventilation officer, as may be specified in the order:

Provided further that, in the case of a mine consisting of gassy seams of first degree and having an average output less than 15,000 tonnes, the Regional Inspector may, considering the nature and extent of working therein, permit, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein combining of the post of ventilation officer with that of safety officer appointed under regulation 31-A.

Explanation:—For the purpose of this regulation the expression “average output” means the average per month of the total output during the preceding financial year from the below-ground workings of all seams. Where the mine consists of gassy seams of different degrees, the aforementioned average output shall be deemed to be from the seam or seams of the highest degree of gassiness.”

11. After sub-regulation (1) of regulation 34 of the said regulations, the following sub-regulation shall be inserted, namely:—

“(1A) The district assigned to an overman under sub-regulation (1) shall not be of such a size, nor shall any additional duties other than his duties under these regulations be such, as are likely to prevent him from carrying out in a thorough manner the duties prescribed for him under these regulations and in case any doubt arises as to the foregoing duties it shall be referred to the Chief Inspector for decision.”

12. In sub-regulation (8) of regulation 41 of the said regulations, for the words “of the site of the accident showing details, shall be recorded in a bound-paged book kept for the purpose” the words “and sections and wherever practicable a photograph or photographs of the site of the accident showing details shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose and a copy thereof shall be furnished to the Chief Inspector and Regional Inspector within fifteen days of the accident” shall be substituted.

13. In sub-regulation (2) of the regulation 41 A of the said regulations, for the word “if” the words “Except in an emergency, no duties other than those specified above shall be assigned to

the safety officer and whenever” shall be substituted.

14. In sub-regulation (2) of regulation 42A of the said regulations, for the word “if” the words “Except in an emergency no duties other than those specified above shall be assigned to the ventilation officer and whenever” shall be substituted.

15. In regulation 100 of the said regulations:—

- (i) in sub-regulation (1), for the words “Chief Inspector”, the word “Regional Inspector” shall be substituted.
- (ii) sub-regulation (4) shall be omitted.
- (iii) in sub-regulation (5) after the words, “as small an area of uncollapsed roof as possible”, the words, “with due regard to danger from an airblast or weighing on pillars” shall be inserted.

16. In regulation 103A of the said regulations:

(a) in sub-regulation (1), after the existing proviso the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that an entry made in the register or the absence of an entry therein as also a communication in pursuance with the aforesaid proviso or absence thereof shall not in any way limit the duties or obligations of a person under the Act or the regulations, rules, bye-laws or orders made thereunder.”

(b) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted namely :—

“(2) When an entry is made in the register—

(a) the owner, agent and manager shall each be deemed to know what is contained in that entry; and

(b) a copy thereof shall be displayed within three days of the date of such entry on the notice board of the mine for not less than fifteen days.”

(c) after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(4) The register—

(a) shall be kept available for inspection in the office of the mine for a period of at least three years after the date of making of the last entry in it; and

(b) shall not be removed therefrom before the expiry of the aforesaid period, except by or with the approval in writing of the Regional Inspector.

17. In regulation 108 of the said regulations —

(i) after clause (b) of sub-regulation (1), the following clause shall be inserted, namely :—

“(bb) every development working within 10 metres of face and every junction of roadways immediately outbye of a development face;”

(ii) for sub-regulations (2) and (3), the following sub-regulations shall be substituted namely :—

“(2) The manager of every mine having workings below ground shall, before commencing any operation specified in sub-regulation (1) and also when required by the Regional Inspector, frame, with due regard to the physico-mechanical properties of strata, local geological conditions, system of work and mechanisation, and past experience, and enforce Systematic Support Rules specifying in relation to each working place the type and specifications of supports and the intervals between,—

- (i) supports on roadways including places where machinery is used for cutting, conveying or loading;
- (ii) each row of props, roof bolts or other supports;
- (iii) adjacent rows of props, roof bolts or other supports;
- (iv) last row of supports and the face;
- (v) hydraulic chocks and powered supports; and
- (iv) the pack and the face;

Provided that, in respect of a mine where development operations are already in progress, the Systematic Support Rules in relation to the working places specified in clauses (bb) and (c) of sub-regulation (1) shall be framed and enforced within 15 days of the date of coming into force of this sub-regulation.

(3) The manager shall, at least 30 days before the commencement of any operation specified in sub-regulation (1) and subject to the proviso to sub-regulation (2) submit a copy of the Systematic Support Rules to the Regional Inspector who may, at any time, by an order in writing, require such modification in the Rules as he may specify thereon.

(iii) In sub-regulation (4), the words “framed and approved as aforesaid” and the word “other” shall be omitted.

(iv) after sub-regulation (5) the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(6) The manager shall formulate and implement a code of Standing Orders specifying—

(a) the system and the organisation for procurement and supply of supports of suitable material, of adequate strength and in sufficient quantity where these are required to be readily available for use;

(b) the method of handling including dismantling and assembling where necessary and transportation of the supports from the surface to the face and from the face line to their new site;

(c) the system and the organisation for maintenance and checking of supports, dressing the roof and sides, erecting, examining and re-tightening of supports and re-erecting dislodged supports, including the use of appropriate tools;

(d) the panel of competent persons for engagement as substitutes in the event of a regular supportsman or dresser absenting from duty; and

(e) the manner of making all concerned person such as, loaders, dressers, supportsmen, shortfirer, sirdars, overmen and assistant managers including persons empanelled for engagement as substitute supportsman or dresser fully conversant with the Systematic Support Rules and the Codes of Standing Orders under this sub-regulation and under regulation 110 and the nature of work to be performed by each in that behalf”.

18. For regulation 109 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :

“109. Setting of supports.—(1)(a) Every prop shall be set securely and on a sound foundation, and shall be kept tight against the roof.

(b) Where a prop is set on sand or other loose material, a flat base-piece not less than 5 centimetres in thickness 25 centimetres in width and 75 centimetres in length shall be used.

(c) The lid used over a prop shall have a width not less than the diameter of the prop, a thickness not less than 8 centimetres and a length not less than 50 centimetres.

(2) Every bar set for supporting the roof of a roadway shall be set securely on props or on cogs or on steel clamps of suitable design and adequate strength, securely fixed on the sides of the roadway or in holes at least 50 centimetre deep made in the sides of the roadway and shall be made and kept tight against the roof. Where lagging is necessary the number of laggings shall not be less than one for every metre length of the bar and the laggings shall be made and kept tight against the roof.

(3)(a) Every cog used as a support shall be well-built and set on the natural floor or on a secure foundation, and shall be made and kept tight maintaining maximum possible contact against the roof.

(b) Only rectangular pieces shall be used as members of a cog, so however that, in case of timber it shall be sufficient to joggle two opposite sides.

(c) The cogging members shall be not less than 1.2 metres in length.

(d) Before erecting cogs in a depillaring area, props shall be erected at the corners of each cog.

(4) In inclined seams the supporting props and cogs shall be so set as to ensure maximum support having regard to the inclination of the seam or roadway and probable strata movement. Where necessary such supports shall be re-inforced to prevent displacement.

(5) Every ledge and every prominent crack or slip in the roof shall be kept supported with at least a pair of cogs or cross-bars suitable lagged.

(6) Overhanging sides shall be dressed down. Where this is not practicable, stay props or other suitable means of support shall be erected at intervals not exceeding one metre.

(7) Where sand or other material is stowed or a pack is formed for the purpose of support, it shall be packed or made as tight against the roof as practicable over its whole area.

(8)(a) Roof and sides and supports shall be tested as often as necessary; and except where it is no longer necessary for purposes of support, any support loosened, broken or dislodged by or removed in any operation shall be tightened, replaced or re-set with the least possible delay and particularly before persons are allowed to pass or resume work after an interruption. Where floor

coal or roof coal is taken, shorter props shall be replaced with longer props.

(b) In every place wherein roof coal is taken or a fall of roof or sides has occurred, no work of cleaning the dislodged coal or the fall or any part thereof shall be undertaken nor shall any person be allowed to pass, until the newly exposed roof and sides in the vicinity thereof have been examined and made safe, if necessary, by temporary supports.

(9) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (8), only such minimum number of persons may be engaged under the supervision of a sirdar or overman as may be necessary for securing the roof and sides thereat.

(10) Where roof bolts are used for support, the bolts shall be securely fixed in place.

(11)(a) Powered supports, hydraulic chocks or link-bars shall be advanced as soon as practicable after a web of coal has been taken off the face so as to ensure that the area of unsupported newly exposed roof is kept to a minimum.

(b) Powered supports, hydraulic chocks and props and friction props shall be set securely and checked from time to time. When any defect is detected in any powered support or hydraulic chock the same shall be attended to as soon as possible and until then the roof at that place shall be kept effectively supported with conventional supports. Any defective hydraulic or friction prop shall be replaced immediately.

(c) Where, by reason of any irregularity in the roof, floor or sides or due to any other reasons, any powered support or hydraulic chock become ineffective, conventional supports in sufficient number shall be used."

19. For regulation 110 of the said regulations, the following regulation shall be substituted; namely :—

"110. Withdrawal of supports.—Whenever supports are to be withdrawn, the withdrawal shall be done in accordance with the method which shall be specified in the Manager's Standing Orders. The standing orders shall cover.

(a) the supply and use of appropriate tools and safety contrivances;

- (b) the setting of extra supports to control the collapse of roof from which supports are being withdrawn;
- (c) the sequence of withdrawal of supports; withdrawal of a cog to precede withdrawal of its corner props;
- (d) safe positioning of the persons engaged in the operation and all other persons present nearby;
- (e) training of competent persons who are entrusted with the operations; and
- (f) supervision during withdrawal of supports".

20. In regulation 118A of the said regulations :—

- (i) in clause (c) of sub-regulation (3), for the words "goaved out area" the words "goaved out area and unused workings" shall be substituted.
- (ii) proviso to sub-regulation (4) shall be omitted.

21. In regulation 119 of the said regulations :—

- (i) in clause (a) of sub-regulation (1) after the words "broken out", the words "effective steps shall be taken, without delay, to deal with the fire or heating and" shall be inserted.
- (ii) for sub-regulation (2), the following sub-regulations shall be substituted, namely :—

"(2) During the whole time that any work of dealing with or sealing-off a fire or heating is in progress—

- (a) a competent person shall be present on the spot throughout;
- (b) adequate precautions shall be taken to prevent danger to persons from any noxious asphyxiating or inflammable gases; flame, steam and ejected or roiling down hot material; explosion of water gas and falling into crevices or pot holes that may occur in the area on fire;
- (c) there shall be kept available at or near all places below ground :—
 - (i) adequate number of self-rescuers and at least two smoke helmets or other suitable apparatus for use in emergency;
 - (ii) a cage containing suitable birds or other means of detecting carbon monoxide gas approved by the Chief Inspector; and
 - (iii) a flame safety lamp or other means of detecting carbon dioxide gas and oxygen deficiency, approved by the Chief Inspector.

(3) The manager of every mine shall prepare and establish a detailed scheme for the provision and

maintenance of suitable fire-fighting arrangements; for the prevention, detection, dealing and control of any heating or fire; for the examination and maintenance of the protective measures taken to control or isolate a fire or heating and for ensuring safety of persons engaged in the said operations. The scheme shall be suitably modified and kept updated as the situation warrants.".

22. For regulation 120 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

"120. Equipment and organisation for fire-fighting.—(1) In every mine :—

- (a) unless expressly exempted in writing by the Regional Inspector, effective means of delivering to all working places belowground and all other places of fire risk such as coal stocks, spoil heaps containing carbonaceous material and exposed coal surfaces liable to heating an adequate quantity of water at sufficient pressure for the purpose of efficient fire fighting shall be provided and kept maintained;
- (b) fire stations with a suitable supply of fire-fighting equipment shall be established and kept maintained at convenient points, both on surface and belowground; and
- (c) sufficient supply of sand or incombustible dust or suitable portable fire extinguishers shall be provided at :—
 - (i) every entrance to a mine or district and at every landing and shaft bottom in use;
 - (ii) every place where timber, grease, oil or other inflammable material is stored;
 - (iii) every engine room, electrical gear, driving unit of roadway conveyor, diesel engine maintenance workshop and filling station, storage battery charging station; and
 - (iv) such other special places of fire risk as may be specified by the manager.
- (d) an upto-date fire-fighting plan showing the water mains, taps, fire-stations, pumping stations, ventilation system, escape routes etc. shall be kept maintained and a copy thereof posted in the mine office and at convenient places belowground. Adequate number of persons shall also be trained in the use of fire-extinguishers and in fire-fighting. All such persons shall be made familiar with the position of all fire-fighting equipment provided in the mine.

2(a) Soda-acid type extinguishers or water shall not be used for fighting oil or electrical fires.

(b) Foam type extinguishers shall not be used for fighting electrical fires.

(c) Fire-extinguishers containing chemicals which are liable, when operated, to give off poisonous or

noxious gases, shall not be provided or used below-ground :

Provided that nothing in this clause shall be deemed to prohibit the use belowground of fire-extinguishers giving off carbon dioxide when operated.

(3) (a) A competent person shall, once at least in every month, examine all the equipment, material and arrangements provided for fire-fighting and shall discharge and re-fill the fire-extinguishers as often as may be necessary to ensure that these are in proper working order.

(b) Any deficiency found during any such examination or otherwise shall be immediately remedied.

(c) A report of every such examination including discharge and re-filling of fire-extinguishers shall be made in a bound-paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person making the examination.”.

23. In clause (a) of sub-regulation (4) of regulation 122, after the words “heating belowground”, the words “or to seal off goaf or an area of old workings” shall be inserted.

24. For regulation 123, the following regulation shall be substituted, namely :—

“123. Precautions against dust.—(1) The owner, agent or manager of every mine shall take such steps as are necessary for the minimising of emissions of dust and for the suppression of dust which enters the air at any workplace belowground or on surface and for ensuring that the exposure of workers to respirable dust is limited to an extent that is reasonably practicable but in any case not exceeding the limit that are harmful to the health of persons.

(2) For the purpose of this regulation, a place shall not be deemed to be in a harmless state for persons to work or be therein if the 8 hours time-weighted average concentration of airborne respirable dust in milligrams per cubic metre of air sampled by a gravimetric dust sampler of a type approved by and determined in accordance with the procedure as specified by the Chief Inspector by a general or special order exceeds three where working is being made wholly in a coal seam or where free respirable silica present is less than 5 per cent and the value arrived at by dividing the figure of fifteen with the percentage of free respirable silica present in other cases.

(3) (a) The owner, agent or manager of every mine shall, within six months of the coming into force of this regulation and once at least every six months thereafter or whenever the Regional Inspector so requires by an order in writing, cause the air at every work place where respirable dust is evolved to be sampled and the concentration of respirable dust therein determined :

Provided that, if any measurement of any workplace shows the concentration in excess of fifty per cent or seventy-five per cent of the allowable concentration specified in sub-regulation (2) (hereinafter referred to as “permissible limit”) the subsequent

measurements shall be carried on at intervals not exceeding three months or one month respectively :

Provided further that, such measurements shall also be carried on immediately upon the commissioning of any plant, equipment or machinery or upon the introduction of any new work practice or upon any alteration therein that is likely to bring about any substantial change in the levels of airborne respirable dust.

(b) The samples drawn shall as far as practicable, be representative of the levels of dust exposure of work-persons. For this purpose, the sampler shall be positioned on the return side of the point of dust generation and within 1 metre of the normal working position of but not behind the operator or other worker whose exposure is deemed to be maximum in his working group.

(c) Based on the results of fixed-point sampling the representative dust exposure profiles for different categories of workers shall be estimated and as a measure of cross-check the “static monitoring” shall be duly supplemented by “portal to portal personal monitoring” of selected workers whose exposure is deemed to be representative of their working groups.

(d) Samples shall be taken by a person who has been specially trained for the purpose in the sampling equipment and accessories that have been checked to ensure correct maintenance and efficient operation thereof and examined, treated and calibrated on a date which is not earlier than one year.

(e) Respirable dust content of the samples and in case of samples collected from a working other than the working being made wholly in a coal seam, quartz content shall be determined as soon as practicable a properly equipped laboratory approved in writing by the Chief Inspector in that behalf.

(f) All results of measurement of airborne respirable dust and all other relevant particulars shall be systematically recorded within fourteen days of the date of collection of samples, in a bound paged book kept for the purpose, and every entry in the book aforesaid shall be countersigned and dated by the manager within twenty-four hours.

(4) When the dust monitoring results have established that the permissible limit of dust concentration is being exceeded at any place, immediate steps shall be taken to minimise the emission of dust and to notify the Regional Inspector. If, however, the average concentration of respirable dust in a series of 5 samples taken in 7 successive normal working shifts during the subsequent month exceeds one and a half times the “permissible limits”, the relevant operation or operations causing excessive dust shall cease. The operation or operations shall not be resumed and allowed to be carried on until improvements have been made in the prevention and suppression of dust and fresh sampling carried out immediately on resumption of the said operation or operations has established that such improvements have reduced the dust concentration below the “permissible limit”;

Provided that if the dust prevention and suppression device of any machinery of equip-

ment fails to operate efficiently the operation of the said machinery or equipment shall likewise cease and shall not be resumed until the defect therein has been rectified :

Provided further that, purely as a contingency measure or as secondary means of protection in a work situation wherein it is technically not feasible to reduce the respirable dust concentration below "permissible limit" or during the time period necessary to install and commission any device or to institute any new work practice for dust prevention or suppression, compliance with the permissible limit of dust may be achieved by remote operation or by a job rotation and failing which by the use of suitable dust respirator.

(5) The power, agent or manager of every mine where need of dust respirators might arise, shall provide dust respirators in sufficient number and at no cost to the concerned workpersons for their use: for the dust respirators to be regularly cleaned, disinfected and maintained in efficient working order; and for the proper fitting of and for thorough training of the concerned workers in the need for and correct use of respirators.

(6) To prevent the liberation and accumulation of dust and the propagation of airborne dust, the following provisions shall have effect namely :—

- (a) dust shall be suppressed as close as possible to its source of formation;
- (b) during any operation of drilling of boring in stone on surface or belowground —
 - (i) the production of dust shall be reduced by using bits which are sharp and of proper shape, by keeping suitable pressure on the bits and by keeping the holes clear of the cuttings;
 - (ii) except in naturally wet ground, a jet of water shall be directed on to the cutting edge to wet the cuttings or other equally efficient device approved by the Chief Inspector shall be provided and kept in operation to prevent the atmosphere being charged with dust. Where pneumatic drilling is performed, water shall be turned on before turning on compressed air to the drill. When however, drilling is done by hand, it shall be sufficient if holes are kept constantly moist during such drilling;
- (c) every roadway on surface or belowground, where mobile mining machinery ply, shall be regularly wetted or shall be effectively treated with some other equally efficient agent to reduce dust being raised in the atmosphere to a minimum;
- (d) no plant for the screening or sorting of coal and as far as practicable, no heap of

cinder, cement, sand, mortar or other dry and fine material, shall be placed within 80 metres of the top of down cast shaft or intake air way nor shall any such material be so handled as to make it air-borne and drawn into any such shaft or such airway;

(e) in every mine belowground—

- (i) no machinery or equipment which is likely to emit dust in excess of "permissible limit" shall be operated unless it is equipped with a suitable dust prevention and suppression device and unless such device is operating efficiently;
- (ii) the design, arrangement, material and condition of picks on every mechanical coal cutter shall be such as to reduce the formation of dust to the minimum and no mechanical coal cutter shall be operated unless suitable water sprays or jets of water are directed on the cutting edges thereof so as to damp the cuttings as they are formed;
- (iii) every working face and the floor, roof and sides of every roadway or airway within 50 metres thereof shall be, unless naturally wet throughout, regularly washed down to prevent accumulation of dust and shall be kept thoroughly wetted during work shifts :
- (iv) a current of air sufficient to clear away the dust emitted by any machinery or operation and to dilute the dust concentration below the "permissible limit", shall be maintained by means of general ventilation and if necessary, by local ventilation, so however, that, as far as practicable, the velocity of air in any roadway or workplace shall not be such as to raise dust in the atmosphere;
- (v) after blasting, working places shall not be entered unless sufficient time has elapsed for dust, smoke and fumes to be cleared by a current of air and the broken material shall not be moved unless it has been thoroughly wetted with water;
- (vi) vehicles, tubs and conveyors used for transport of coal shall be maintained in good condition so as to minimise spillage or leakage. Chutes, spiral conveyors, bins, tipplers, conveyor discharge points and skip loading and unloading installations shall be so controlled as to reduce the formation of dust to the minimum. Such material shall be also thoroughly wetted with water unless it is already wet or other effective means of dust suppression are used; and

(vii) unless owing to special difficulties, exempted in writing by Regional Inspector in that behalf and subject to such conditions as he may specify therein, water in pipes in sufficient quantity and under adequate pressure and independent of any pumping system, shall be provided and maintained so as to get maximum efficiency in the allaying of dust.

(f) no process of crushing, breaking, disintegrating, dressing, sorting, grinding, screening or sieving of coal or any operation incidental thereto, shall be carried out at any mine unless efficient watering or other appropriate and effective dust control measures, such as, but not limited to isolation, enclosure, exhaust ventilation and dust collection are designed, provided, maintained and used.

(g) the exhausted air, belowground, which contains dust in excess of the "permissible limit" shall be efficiently diluted and if necessary filtered so as to reduce the concentration of respirable dust therein below ten per cent of the "permissible limit" before being recirculated into workplaces.

(h) every device used for the prevention and suppression of dust produced by any machinery, equipment or process as also for the filtering of the exhausted air and every dust respirator shall be inspected once least in every seven days and shall be thoroughly examined and tested at least once in every period of six months and the results of every such inspection, examination and test shall be recorded in the register maintained under clause (f) of the sub-regulation (3).

(7) The manager of every mine where airborne dust is generated shall formulate and implement a scheme specifying —

- (a) the location, frequency, timing, duration and pattern of sampling;
- (b) the instruments and accessories to be used for sampling;
- (c) the laboratory at which respirable dust content of samples and quartz content shall be determined;
- (d) the format in which the results of measurements of dust concentration and other particulars are to be recorded;
- (e) the organisation for dust monitoring and for the examination and maintenance of dust prevention and suppression measures and dust respirators; and
- (f) the manner of making all persons concerned with the implementation of the dust control measures fully conversant with the nature of work to be performed by each in that behalf.

(8) The Regional Inspector may, where special conditions exist, permit or require by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, any variation in the foregoing provisions or in the manager's scheme.

(9) If any doubt arises as to any matter referred to in this regulation, it shall be referred to the Chief Inspector for decision."

25. After sub-regulation (1) of regulation 123A of the said regulations, the following sub-regulation shall be inserted namely :—

"(1A)(a) Every part of a mine which is not naturally wet throughout or which is not isolated by explosion-proof stoppings shall be treated —

(i) with fine incombustible dust in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and any support or structure shall always consist of a mixture containing not less than that 75% of incombustible matter in case of coal seams containing less than 30% volatile matter (on dry ash free basis) and 85% of incombustible matter in case of coal seams containing more than 30% of such volatile matter; or

(ii) with water in such manner and at such intervals as will ensure that the dust on the floor, roof and sides and on any support or structure is always combined with not less than 30% by weight of water in intimate mixture; or

(iii) in such manner as the Regional Inspector may approve by an order in writing.

(b) The incombustible dust used for the purpose of this sub-regulation shall be :—

(i) such that it does not contain more than 5% of free silica;

(ii) of such fineness and character, that it is readily dispersable into the air and that, when used in places which are not directly wetted by water from the strata it does not cake but it is dispersed into the air, when blown upon with mouth or by a suitable appliance; and

(iii) as far as practicable light in colour.

(c) No such incombustible dust shall continue to be used if it is found by tests which shall be carried out once at least in every three months, not to comply with the foregoing requirements :

Provided that when the supply of incombustible dust used in a mine is not from a regular source, these tests shall be carried out whenever a fresh supply of incombustible dust is received.

(d) Where any place or part of the mine is to be treated with incombustible dust :—

- before treating with incombustible dust, all coal dust shall be cleaned, as far as practicable, from the roof, sides, floor, props, cogs, bars, brattice cloth or any other objects or structure or place on which coal dust may deposit, and all dust so collected shall be removed to the surface within 24 hours.
- in combustible dust shall be spread on the objects, structure and places aforesaid in adequate quantity and at such intervals as may be necessary to ensure compliance with the provisions of this sub-regulation.
- the cleaning of coal dust and spreading of incombustible dust shall be carried out in the direction of the flow of the air;
- a sufficient supply of incombustible dust shall be kept readily available at suitable places in the mine, and any deficiency in the supply of dust underground shall immediately be brought to the notice of the manager; and
- incombustible dust stacked at different places and kept on pans or on dust barriers in the mine shall be charged whenever it is no longer readily dispersable or whenever it becomes coated with coal dust, such dust shall be removed.”.

26. In regulation 123B of the said regulations :—

- in sub-regulation (1), for the word and figure “regulation 123”, the word and figure and letter “Regulation 123 and 123A” shall be substituted.
- in sub-regulation (4), —
 - in clause (b) for the figure and word “24 hours”, the figure and word “20 hours” shall be substituted.
 - in clause (c) for the word, figures, brackets and letter “regulation 123(5)(b)” wherever used, the word, figures, brackets and letter “regulation 123A(1A)(a)” shall be substituted.
- in sub-regulation (5) for the word, figures, brackets and letter “regulation 123(5)(b)” the word, figures, brackets and letter “123A(1A)(a)” shall be substituted.

27. In regulation 127 of the said regulations :—

- for sub-regulations (1), (2) and (3) the following sub-regulations shall be substituted, namely:—

“(1) Proper provision shall be made in every mine to prevent irruption of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet from the workings of the same mine or of an

adjoining mine and to prevent accidents while drilling bore holes for probe or release of a body of water or other liquid matter.

(2) Where work is being done in —

- (i) any seam or section below another seam or section; or
- (ii) any place in a seam or section, which is at a lower level than any other place in a lower seam or section; or
- (iii) any place in a seam approaching a fault passing through an upper seam or section, which contains or may contain an accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet; or
- (b) any water-bearing strata, all useful information including the position, extent and depth of the abovementioned features shall be acquired and kept recorded and a scheme of working designed to prevent irruption of water or other liquid matter or any material which flows when wet shall be prepared and put into operation.

(3) Without prejudice to the requirements of sub-regulation (1) and sub-regulation (2), no working which has approached within a distance of 60 metres of any other working (not being the working which has been physically examined and found to be free from accumulation of water or other liquid matter or any material that is likely to flow when wet) and whether in the same mine or in an adjoining mine, shall be extended further except with the prior permission in writing of the Regional Inspector and subject to such conditions as he may specify therein.

Explanation — For the purpose of this sub-regulation, the distance between the said workings shall mean the shortest distance between the workings of the same seam or between any two seams or sections, as the case may be, measured in any direction whether horizontal, vertical or inclined.”.

(ii) In clause (a) of sub-regulation (6) after the words “All such bore holes shall be”, the words, “drilled sufficiently close to each other to ensure that the advancing face will not accidentally hole through into a working containing water or liquid matter or any material that is likely to flow when wet and shall be” inserted.

28. In the Table under regulation 136A of the said regulations, in column 1, for the words “First degree”, the words “First, Second or Third degree” and for the words “Second degree”, the words “First or Second degree” shall be substituted.

29. In regulation 146, for the said regulations :—

- for the sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—
 - No working or gallery shall be extended to a distance of more than 4.5

metres from the nearest ventilation connection unless the current of air is coursed upto a point within 4.5 metres of the face, by means of fire resistant pipes, tubes, brattices or other material.”.

(ii) sub-regulations (7) and (8) shall be omitted.

30. Regulation 149 of the said regulations shall be omitted.

31. In sub-regulation (1) of regulation 194 of the said regulations, for the figures and brackets, “119 (2)”, the words, figures and brackets, “118A(3)(c), 119(2)(a) and 120(3)(a)” shall be substituted.

32. In regulation 204 of the said regulations :—

(i) for the marginal heading, the following marginal heading shall be substituted namely :—

“Appeals to the Committee.”

(ii) in sub-regulation (1) :

(a) for the words “Against any order of the Chief Inspector specified below”, the words “Against any original order made by the Chief Inspector under any of these regulations or against any order passed under regulation 203 by the Chief Inspector on an appeal against Regional Inspector’s order” shall be substituted.

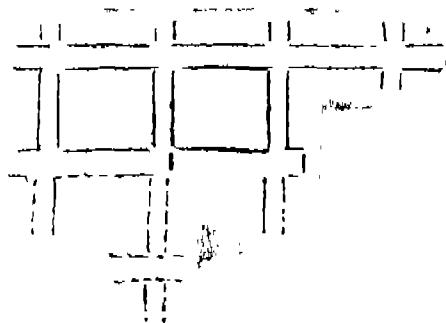
(b) clauses (i) and (ii) shall be omitted.

33. In the Second Schedule (under regulation 58) of the said regulations, against the NAME, “PILLARS AND GALLERIES” for the existing symbol and entries, the following shall be substituted, namely :—

SYMBOL

REMARKS

WORKINGS SHOWN BY DOTTED LINES
ARE NOT SURVEYED AND THEIR
EXTENT IS NOT CORRECTLY KNOWN



[File No. S-66012/1&4/86-M1/LSH-II]
R. T. PANDEY, Dy. Secy.

